

"त्वरको के लिए प्लाज्मा पर आधारित आयन स्रोतों में नवीन परिवृद्धि और सम्बंधित भौतिकी कार्यक्रमों" विषय पर आधारित दो दिवसीय (१६ - १७ अगस्त, २०२२) कार्यशाला (मिश्रित प्रणाली में)
समय- सारणी १६ - ०८- २०२२ (प्रथम दिवस)

पंजीकरण (स्थानीय तथा आंतरिक प्रतिभागियों के लिए): पूर्वाह्न ९:०० से ९:३० तक

सत्र १ (पूर्वाह्न ९:३० - १०: ३० तक), अध्यक्ष: डॉ जी रोड्रिगुएस, अं. वि. त्व. कें., दिल्ली

पूर्वाह्न ९:३०: प्रतिभागियों का स्वागत तथा उद्घाटन व्याख्यान द्वारा प्रो अविनाश चंद्र पांडेय जी, निदेशक,
अं. वि. त्व. कें., दिल्ली

पूर्वाह्न ९:४०: मुख्य भाषण: भारी आयनों से ब्रह्मांड की खोज द्वारा डॉ अमित रॉय, भूतपूर्व निदेशक,

अं. वि. त्व. कें., दिल्ली तथा पूर्व राजा रमन्ना अध्येता, परिवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रॉन केन्द्र, कोलकाता

पूर्वाह्न १०:२५: धन्यवाद प्रस्ताव द्वारा डॉ प्रवीण कुमार, अं. वि. त्व. कें., दिल्ली

चाय नाश्ता

सत्र २ (पूर्वाह्न ११:०० से अपराह्न १२:३० तक; ३५ + १० मिनट्स), अध्यक्ष: डॉ एस मुरलीधर, अं. वि. त्व. कें., दिल्ली

पूर्वाह्न ११:००: प्लाज्मा भौतिकी-बुनियादी बातें द्वारा प्रो आर भास्करन, पूर्व-संकाय इंदिरा गांधी परमाणु अनुसंधान केंद्र,

पूर्वाह्न ११:४५: विभिन्न प्रकार के इलेक्ट्रान साइक्लोट्रॉन अनुनाद आयन स्रोत तथा उनके शोध एवं औद्योगिक

अनुप्रयोग द्वारा डॉ दिनकर कांजीलाल पूर्व निदेशक, अं. वि. त्व. कें., दिल्ली तथा अध्येता, भारतीय
राष्ट्रीय विज्ञान संस्थान, दिल्ली

दोपहर का भोजन

सत्र ३ (अपराह्न २:०० से ३:३० तक; ३५ + १० मिनट्स), अध्यक्ष: डॉ पी एन प्रकाश, अं. वि. त्व. कें., दिल्ली

अपराह्न २:००: इलेक्ट्रान साइक्लोट्रॉन अनुनाद आयन स्रोत - संक्षिप्त इतिहास, नवीन प्रयोग परिणाम तथा भविष्य का

दृष्टिकोण द्वारा डॉ ओली तरवाईनें, वैज्ञानिक, एस टी ऍफ़ सी, आर ए लैब, यू के

अपराह्न २:४५: प्लाज्मा-सतह की परस्पर क्रिया के दौरान उत्पन्न ऋणात्मक आयनों की उत्पत्ति का अध्ययन - भविष्य

के संलयन रिएक्टर के लिए आयन स्रोत बनाने का एक तरीका द्वारा प्रो जीन मार्क लयेट, एक्स मार्सिले
विश्वविद्यालय / सीआरएनएस

चाय

सत्र ४ (अपराह्न ४:०० से ५:३० तक; ३५ + १० मिनट्स), अध्यक्ष: डॉ एन माधवन, अं. वि. त्व. कें., दिल्ली

अपराह्न ४:००: संलयन रिएक्टर में उदासीन पुंज अंतःक्षेपक के लिए अधिक विद्युत धारा तथा अधिक क्षेत्रफल वाले आयन

स्रोत का निर्माण - भारतीय परिप्रेक्ष्य द्वारा डॉ महेन्द्रजीत सिंह, प्लाज्मा शोध संस्थान, अहमदाबाद,

अपराह्न ४: ४५: इलेक्ट्रान साइक्लोट्रॉन अनुनाद आयन स्रोत से उत्पन्न उच्च आवेशित आयनों का अणु भौतिकी में

अनुप्रयोग द्वारा डॉ लोकेश त्रिबेदी, टी आई ऍफ़ आर, मुंबई

प्रथम दिवस का समापन

"त्वरको के लिए प्लाज्मा पर आधारित आयन स्रोतों में नवीन परिवृद्धि और सम्बंधित भौतिकी कार्यक्रमों" विषय पर आधारित दो दिवसीय (१६ - १७ अगस्त, २०२२) कार्यशाला (मिश्रित प्रणाली में)

समय- सारणी १७ - ०८- २०२२ (द्वितीय दिवस)

सत्र १ (पूर्वाह्न ९:०० - १०: ३० तक), अध्यक्ष: डॉ पी सुगठन, अं. वि. त्व. कें., दिल्ली

पूर्वाह्न ९:००: शोध एवं अनुप्रयोगों के लिए सघन उर्जित आयन पुंज के निर्माण में इलेक्ट्रान साइक्लोट्रॉन अनुनाद आयन स्रोत का महत्त्व द्वारा डॉ आर के भंडारी, भूतपूर्व निदेशक, परिवर्ती उर्जा साइक्लोट्रॉन केन्द्र, कोलकाता तथा मानद अतिथि वैज्ञानिक अं. वि. त्व. कें., दिल्ली

पूर्वाह्न ९:४५: प्लाज्मा आयन स्रोत: अंतरिक्ष अनुसंधान से पदार्थिक विज्ञान द्वारा डॉ मुकेश रंजन, वैज्ञानिक प्लाज्मा शोध संस्थान, अहमदाबाद

चाय

सत्र २ (पूर्वाह्न ११:०० से अपराह्न १२:३० तक; ३५ + १० मिनट्स), अध्यक्ष: श्री राजीव मेहता, अं. वि. त्व. कें., दिल्ली
पूर्वाह्न ११:०० रेडियो धर्मी आयन पुंज सुविधा तथा साइक्लोट्रॉन त्वरक में अंतःक्षेपक के रूप में इलेक्ट्रान साइक्लोट्रॉन अनुनाद आयन स्रोत का महत्त्व द्वारा डॉ अरूप बन्धोपाध्याय, परिवर्ती उर्जा साइक्लोट्रॉन केन्द्र, कोलकाता

पूर्वाह्न ११: ४५: भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र पर १८ गीगा हर्ट्ज का अतिचालक इलेक्ट्रान साइक्लोट्रॉन अनुनाद आयन स्रोत तथा इसका अनुप्रयोग द्वारा श्री शार्दूल गोयल, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, मुंबई

दोपहर का भोजन

सत्र ३ (अपराह्न २:०० से ३:३० तक; ३५ + १० मिनट्स), अध्यक्ष: डॉ अम्बुज त्रिपाठी, अं. वि. त्व. कें., दिल्ली
अपराह्न २:००: पैंडोरा (PANDORA): नाभिकीय तथा खगोल भौतिकी में अंतःविषय अध्ययन के लिए इलेक्ट्रान साइक्लोट्रॉन अनुनाद आयन स्रोत जाल का एक अनूठा प्रयोग द्वारा डॉ एंजेलो पीडाटेल्ला, आई एन एफ एन, कतानिया, इटली

अपराह्न २: ४५: पुंज-प्लाज्मा परस्पर क्रिया में उत्पन्न अरेखीय संरचनाओं का अध्ययन द्वारा प्रो एन एस सैनी, गुरु नानक देव विश्वविधालय, अमृतसर

चाय

सत्र ४ (अपराह्न ४:०० से ५:३० तक; व्याख्यान; ३५ + १० मिनट्स), अध्यक्ष: श्री अभिजीत सरकार, अं. वि. त्व. कें., दिल्ली

अपराह्न ४:००: कणों के त्वरण के लिए लेजर बनाम माइक्रो तरंग द्वारा प्रो एच एस मलिक, आई आई टी, दिल्ली

अपराह्न ४:४५: उपसंहार मंतव्य द्वारा डॉ जी रोड्रिगुएस, अं. वि. त्व. कें., दिल्ली

अपराह्न ५:००: प्रतिक्रिया/विमर्श – पैनल; डॉ जी रोड्रिगुएस, डॉ सी पी सफवान, डॉ प्रवीण कुमार, श्री केदारमल

कार्यशाला का समापन